नाम.....

अनुक्रमांक.....

102 302(PN)

2024

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे **15** मिनट **]** **[**पूर्णांक : **100**

नोट : **i)** प्रारम्भ के **15** मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।

(खण्ड-क)

1. क) 'अष्टयाम' कृति के लेखक हैं:

i) गोकुलनाथ **ii)** विट्ठलनाथ

iii) नाभादास **iv)** प्रियादास **1**

ख) धर्मवीर भारती द्वारा लिखित उपन्यास है:

i) 'परन्तु' **ii)** 'सूरज का सातवाँ घोड़ा'

iii) 'मुक्तिबोध' **iv)** 'नदी के द्वीप **1**

ग) जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित नाटक नहीं है:

i) 'करुणालय' **ii)** 'कल्याणी परिणय'

iii) 'सज्जन' **iv)** 'भारत सौभाग्य' **1**

घ) इनमें से 'आत्मकथा' विधा की रचना है:

i) 'अर्द्धकथा' **ii)** 'परती परिकथा'

iii) 'आवारा मसीहा' **iv)** 'अजय की डायरी' **1**

ङ) यात्रावृत्त-सम्बन्धी गद्यकृति 'अरे यायावर! रहेगा याद' के लेखक हैं:

i) केदारनाथ अग्रवाल **ii)** मोहन राकेश

iii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' **iv)** हरिशंकर परसाई **1**

2. क) इनमें से किस काव्यकृति पर 'ज्ञानपीठ' पुरस्कार मिला है?

i) 'लोकायतन' **ii)** 'अग्निरेखा

iii) 'कितनी नावों में कितनी बार' **iv)** 'रसवन्ती; **1**

ख) 'तीसरा सप्तक' का प्रकाशन-वर्ष है:

i) सन् 1957 **ii)** सन् 1959

iii) सन् 1960 **iv)** सन् 1961 **1**

ग) 'कला और बूढ़ा चाँद' कृति के रचयिता हैं:

i) सुमित्रानंदन पन्त **ii)** शिवमंगल सिंह 'सुमन'

iii) सुदामाप्रसाद पाण्डेय 'धूमिल' **iv)** रामधारी सिंह 'दिनकर' **1**

घ) किस महाकाव्यात्मक कृति में बारह सर्ग है?

i) 'कामायनी' **ii)** 'प्रियप्रवास'

iii) 'साकेत' **iv)** 'वैदेही वनवास **1**

ङ) 'छायावाद' की प्रमुख विशेषता है:

i) इतिवृत्तात्मकता **ii)** शृंगार रस की प्रधानता

iii) युद्धों का सजीव वर्णन **iv)** स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह **1**

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

i) अशोक वृक्ष की पूजा इन्हीं गन्धर्वों और यक्षों की देन है। प्राचीन साहित्य में इस वृक्ष की पूजा के उत्सवों का बड़ा सरस वर्णन मिलता है। असल पूजा अशोक की नहीं, बल्कि उसके अधिष्ठाता कंदर्प-देवता की होती थी। इसे 'मदनोत्सव' कहते थे। महाराज भोज के 'सरस्वती कंठाभरण' से जान पड़ता है कि यह उत्सव त्रयोदशी के दिन होता था। 'मालविकाग्निमित्र' और 'रत्नावली' में इस उत्सव का बड़ा सरस मनोरम वर्णन मिलता है । मैं जब अशोक के लाल स्तवकों को देखता हूँ तो मुझे वह पुराना वातावरण प्रत्यक्ष दिखायी दे जाता है । राजघरानों में साधारणतः रानी ही अपने सनूपुर चरणों के आघात से इस रहस्यमय वृक्ष को पुष्पित किया करती थीं।

i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) अशोक वृक्ष की पूजा किसकी देन है ?

iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iv) अशोक वृक्ष को कौन पुष्पित किया करती थीं ?

v) 'अधिष्ठाता' और 'स्तवक' शब्दों का अर्थ लिखिए।

अथवा

नये शब्द, नये मुहावरे एवं नयी रीतियों के प्रयोगों से युक्त भाषा को व्यावहारिकता प्रदान करना ही भाषा में आधुनिकता लाना है। दूसरे शब्दों में केवल आधुनिक युगीन विचारधाराओं के अनुरूप नये शब्दों के गढ़ने मात्र से ही भाषा का विकास नहीं होता; वरन् नये पारिभाषिक शब्दों की एवं नूतन शैली प्रणालियों को व्यवहार में लाना ही भाषा को आधुनिकता प्रदान करना है; क्योंकि व्यावहारिकता ही भाषा का प्राणतत्त्व है । नये शब्द और नये प्रयोगों का पाठ्यपुस्तकों से लेकर साहित्यिक पुस्तकों तक एवं शिक्षित व्यक्तियों से लेकर अशिक्षित व्यक्तियों तक के सभी कार्यकलापों में प्रयुक्त होना आवश्यक है। इस तरह हम अपनी भाषा को अपने जीवन की सभी आवश्यकताओं के लिए जब प्रयुक्त कर सकेंगे तब भाषा में अपने आप आधुनिकता आ जायेगी।

(**i**) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(**ii**) भाषा में आधुनिकता कैसे आती है?

(**iii**) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(**iv**) भाषा का प्राणतत्त्व क्या है ?

(**v**) 'नूतन' तथा 'कार्यकलाप' शब्दों का अर्थ लिखिए।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **5×2=10**

'कौन हो तुम वसन्त के दूत
बिरस पतझड़ में अति सुकुमार;
घन तिमिर में चपला की रेख
तपन में शीतल मन्द बयार!'
लगा कहने आगन्तुक व्यक्ति
मिटाता उत्कंठा सविशेष;
दे रहा हो कोकिल सानन्द
सुमन को ज्यों मधुमय सन्देश - ।

(**i**) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(**ii**) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(**iii**) इस पद्यांश में किस-किस के बीच संवाद हो रहा है ?

(**iv**) 'चपला' तथा 'उत्कंठा' शब्दों का अर्थ लिखिए ।

(**v**) 'आगन्तुक व्यक्ति' से किसकी ओर संकेत किया गया है ?

अथवा

छायाएँ मानव-जन की
दिशाहीन
सब ओर पड़ीं- वह सूरज
नहीं उगा था पूरब में, वह
बरसा सहसा
बीचों-बीच नगर के;
काल- सूर्य के रथ के
पहियों के ज्यों अरे टूटकर
बिखर गये हों दसों दिशा में !
कुछ क्षण का वह उदय-अस्त !
केवल एक प्रज्वलित क्षण की
दृश्य सोख लेनेवाली दोपहरी ।

(**i**) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(**ii**) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(**iii**) 'काल - सूर्य के रथ के' - इस पंक्ति में कौन सा अलंकार है ?

(**iv**) दस दिशाएँ कौन-कौन सी हैं ?

(**v**) वह 'सूरज' किस दिशा में उदित हुआ था ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए: **3+2=5**
(अधिकतम शब्द-सीमा: **80** शब्द)

i) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम

ii) वासुदेवशरण अग्रवाल

iii) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए: **3+2=5**
(अधिकतम शब्द-सीमा : **80** शब्द)

i) सुमित्रानंदन पन्त

ii) महादेवी वर्मा

iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

6. 'पंचलाइट' अथवा 'ध्रुवतारा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम शब्द सीमा **80** शब्द) **5**

अथवा

'बहादुर' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्डकाव्य के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए: **5**
(अधिकतम शब्द सीमा **80** शब्द)

i) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्रांकन कीजिए।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के अन्तिम सर्ग की कथा पर प्रकाश डालिए।

ii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

iii) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का निरूपण कीजिए।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के कथानक पर प्रकाश डालिए।

iv) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'हर्षवर्द्धन' का चरित्रांकन कीजिए।

अथवा

'त्यागपथी' की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रवणकुमार' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए: **2+5=7**

याज्ञवल्क्य उवाच – न वा अरे मैत्रेयि! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति । आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति। न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै जाया प्रिया भवति। न वा अरे, पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाया पुत्री वित्तं वा प्रियं भवति। न वा अरे, सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्व प्रियं भवति।

अथवा

अथैकः शकुनिः सर्वेषां मध्यादाशयग्रहणार्थं त्रिकृत्वः अश्रावयत्। ततः एकः काकः उत्थाय तिष्ट तावत्, अस्य एतस्मिन् राज्याभिषेककाले एवं रूपं मुखं, क्रुद्धस्य च कीदृशं भविष्यति? अनेन हि क्रुद्धेन अवलोकिताः वयं तप्तकटाहे प्रक्षिप्तास्तिलाः इव तत्र तत्रैव धड्क्ष्यामः । ईदृशो राजा मह्यं न रोचते इत्याह ।

(ख) दिये गये पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **2+5=7**

काव्यशास्त्र - विनोदेन कालो गच्छति धीमताम्।
व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा।।

अथवा

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि।
लोकोत्तराणां चेतांसि को नु विज्ञातुमर्हति।।

9. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: **1 + 1 = 2**

(**i**) ईद का चाँद होना (**ii**) कागजी घोड़े दौड़ाना

(**iii**) ऊँट के मुँह में जीरा (**iv**) का बरखा जब कृषी सुखाने

10. निम्नलिखित अपठित गद्यांश अथवा पद्यांश को पढ़कर उनपर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **1 × 5 = 5**

भारतवर्ष सदा कानून को धर्म के रूप में देखता आ रहा है। आज एकाएक कानून और धर्म में अंतर कर दिया गया है। धर्म को धोखा नहीं दिया जा सकता, कानून को दिया जा सकता है। यही कारण है कि जो लोग धर्मभीरु हैं, वे कानून की त्रुटियों से लाभ उठाने में संकोच नहीं करते। इस बात के पर्याप्त प्रमाण खोजे जा सकते हैं कि समाज के ऊपरी वर्ग में चाहे जो भी होता रहा हो, भीतर-भीतर भारतवर्ष अब भी यह अनुभव कर रहा है कि धर्म, कानून से बड़ी चीज है। अब भी सेवा, ईमानदारी, सच्चाई और आध्यात्मिकता के मूल्य बने हुए हैं। वे दब

अवश्य गए हैं, लेकिन नष्ट नहीं हुए। आज भी वह मनुष्य से प्रेम करता है, महिलाओं का सम्मान करता है, झूठ और चोरी को गलत समझता है, दूसरों को पीड़ा पहुँचाने को पाप समझता है। हर आदमी अपने व्यक्तिगत जीवन में इस बात का अनुभव करता है।

प्रश्न-

(क) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(ख) कानून को धर्म के रूप में देखने का क्या आशय है?

(ग) भारतवर्ष के लोग धर्म की किन बातों को आज भी मानते हैं?

(घ) ''सम्मान' शब्द से पूर्व जुड़े 'सम' उपसर्ग के स्थान पर एक अन्य ऐसा उपसर्ग जोड़िए कि विलोम शब्द बन जाय।

(ङ) किसे धोखा नहीं दिया जा सकता?

अथवा

नए युग में विचारों की नई गंगा कहाओ तुम,
कि सब कुछ जो बदल दे, ऐसे तूफ़ाँ में नहाओ तुम।

अगर तुम ठान लो तो आँधियों को मोड़ सकते हो
अगर तुम ठान लो तारे गगन के तोड़ सकते हो,
अगर तुम ठान लो तो विश्व के इतिहास में अपने-
सुयश का एक नव अध्याय भी तुम जोड़ सकते हो,
तुम्हारे बाहुबल पर विश्व को भारी भरोसा है-
उसी विश्वास को फिर आज जन-जन में जगाओ तुम।

पसीना तुम अगर इस भूमि में अपना मिला दोगे,
करोड़ों दीन-हीनों को नया जीवन दिला दोगे।
तुम्हारी देह के श्रम-सीकरों में शक्ति है इतनी-
कहीं भी धूल में तुम फूल सोने के खिला दोगे।

नया जीवन तुम्हारे हाथ का हल्का इशारा है,
इशारा कर वही इस देश को फिर लहलहाओ तुम।

प्रश्न-

(क) यदि भारतीय नवयुवक दृढ़ निश्चय कर लें, तो क्या-क्या कर सकते हैं ?

(ख) नवयुवकों से क्या-क्या करने का आग्रह किया जा रहा है?

(ग) युवक यदि परिश्रम करें, तो क्या लाभ होगा?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए-

'कहीं भी धूल में तुम फूल सोने के खिला दोगे।'

(ङ) तुम्हारे बाहुबल पर किसको भरोसा है?

11.(क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए:

(**i**) अशक्त - आसक्त **1**

(**A**) असमर्थ - शक्तिमान् (**B**) शक्तिसम्पन्न - आकर्षक

(**C**) शक्तिहीन - मोहित (**D**) समर्थ - कुसंगति

(**ii**) भवन - भुवन **1**

(**A**) निकेतन - जंगल (**B**) घर - संसार

(**C**) घना जंगल - लोक (**D**) सृष्टि - आयतन

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए: **1+1=2**

(**i**) चपला (**ii**) पयोधर (**iii**) विधि

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए:

(**i**) बहुत कम बोलनेवाला- **1**

(**A**) वाचाल (**B**) अमितभाषी

(**C**) मितभाषी (**D**) बहुभाषी

(**ii**) जिसका की इच्छा रखनेवाला- **1**

(**A**) जिज्ञासा (**B**) जिज्ञासु

(**C**) चिकीर्षु (**D**) इच्छुक

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: **1+1=2**

(**i**) वह अपनी ताकत के बल पर खड़ा है।

(**ii**) इसमें समस्त प्राणिमात्र का कल्याण है।

(**iii**) आपके साथ उचित न्याय किया जायेगा।

(**iv**) जीवन और साहित्य का घोर सम्बन्ध है।

12.(क) 'वीर' रस अथवा 'करुण' रस की सोदाहरण परिभाषा दीजिए । **1+1=2**

(ख) 'श्लेष' अलंकार अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण और उदाहरण दीजिए। **1+1=2**

(ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'कुण्डलियाँ' छन्द का मात्रा सहित लक्षण तथा उदाहरण लिखिए। **1+1=2**

13.अपने नगर की सफाई के लिए अध्यक्ष, नगर पंचायत को एक प्रार्थना-पत्र लिखिए। **2+4=6**

अथवा

पुस्तक-व्यवसाय के लिए ऋण प्राप्त करने हेतु अपने निकटस्थ किसी बैंक के शाखा-प्रबन्धक को आवेदन-पत्र लिखिए।

14.निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा शैली में निबन्ध लिखिए: **2+7=9**

(**i**) भारतीय जीवन में व्याप्त कुरीतियाँ

(**ii**) बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ

(**iii**) प्राकृतिक आपदाएँ : कारण और निवारण

(**iv**) विज्ञान वरदान है या अभिशाप

(**v**) पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता